विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ ,लक्खीसराय

वर्ग -दशम्

विषय -हिन्दी

|| अभ्यास-सामग्री ||

कल दी गयी अध्ययन-सामग्री के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें ।

कन्यादान (ऋतुराज)

निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

माँ ने कहा पानी में झाँककर

अपने चेहरे पर मत रीझना

आग रोटियाँ सेंकने के लिए है

जलने के लिए नहीं

वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन हैं स्त्री जीवन के

माँ ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसी, दिखाई मत देना।

-
- ‘शाब्दिक भ्रम’ का क्या तात्पर्य है ?
-

1. माँ की किन्हीं दो सीखों को अपने शब्दों में लिखिए।

आशय स्पष्ट कीजिए :

‘आग रोटियाँ सेंकने के लिए है

जलाने के लिए नहीं

‘उसे सुख का आभास तो होता था, लेकिन दुःख बाँचना नहीं आता था’, ‘कन्यादान’ कविता के आधार पर भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

‘कन्यादान’ कविता में वस्त्र और आभूषणों को शाब्दिक-भ्रम क्यों कहा गया है ?

‘कन्यादान’ कविता नारी को कैसे सचेत करती है?

लड़की जैसी दिखाई मत देना’ से कवि का क्या आशय है?

‘कन्यादान’ कविता में माँ ने बेटी को क्या-क्या सीखें दीं?